

अनुक्रमणिका

क्र. सं.	टॉपिक का नाम
1.	माही बांसवाड़ा राजस्थान एटॉमिक पावर प्रोजेक्ट (MBRAPP)
2.	ईसरदा बाँध - सवाई माधोपुर
3.	राजस्थान में नगरीय निकायों की स्थिति
4.	राजू मंगोड़ीवाला - तेलंगाना और ओडिशा राज्यों के प्रवासी समन्वयक
5.	न्यूज़ इन शॉर्ट्स 1. ड्यूंस एविएशन एकेडमी : हमीरगढ़ (भीलवाड़ा) 2. IFTM टॉप रेसा ट्रेवल मार्ट 3. राजप्लास्ट - 2025 4. डॉ. मोहन चौधरी 5. 'AU बनो चैम्पियन' विलेज लेवल टूर्नामेंट 6. 'फेस ऑफ द ईयर 2025' : रुचि चतुर्वेदी 7. ओ-आर्म नेविगेशन तकनीक 8. बांडी, लूणी और जोजड़ी नदी में रासायनिक प्रदूषण 9. राजस्थान के 17 राजनीतिक दलों की मान्यता रद्द 10. देश का दूसरा सबसे बड़ा अक्षरधाम मंदिर : जोधपुर
6.	नदी उत्सव, 2025
7.	वर्ल्ड फूड इंडिया, 2025
8.	विकसित भारत बिल्डथॉन, 2025
9.	ओजू जलविद्युत परियोजना
10.	बैरन द्वीप ज्वालामुखी
11.	ग्लोबल साउथ देशों की उच्चस्तरीय बैठक : न्यूयॉर्क
12.	अमेरिका द्वारा H-1B वीज़ा शुल्क: भारत के लिए अवसर
13.	तमिलनाडु कोस्टल रिस्टोरेशन मिशन (TN-SHORE)
14.	आयुष्मान भारत: प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना के 7 वर्ष पूर्ण

Daily Current Affairs

Date : 25 September, 2025



15.	स्टार्टअप कॉन्क्लेव, 2025
16.	विशाखापत्तनम घोषणा-पत्र: 28वें राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन
17.	सोलर पीवी क्षमता आकलन (ग्राउंड-माउंटेड)' रिपोर्ट
18.	आनंदकुमार वेलकुमार : स्पीड स्केटिंग
19.	विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2025
20.	<p>न्यूज़ इन शॉर्ट्स</p> <ol style="list-style-type: none">1. "देसी भोजन मायने रखता है" पहल2. द्रव्य (DRAVYA) पोर्टल3. नाइटमेयर बैक्टीरिया4. इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट5. सुपर टाइफून रागासा

UTKARSH

CIVIL SERVICES

--2--



राजस्थान परिदृश्य



माही बांसवाड़ा राजस्थान एटॉमिक पावर प्रोजेक्ट (MBRAPP)



चर्चा में क्यों?

- 25 सितंबर, 2025 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा बाँसवाड़ा में 'माही बांसवाड़ा राजस्थान एटॉमिक पावर प्रोजेक्ट (MBRAPP)' का शिलान्यास किया गया।



मुख्य बिन्दु:

- स्थान :** बाँसवाड़ा में माही नदी के किनारे।
- रिएक्टर :** परियोजना के अंतर्गत 700 मेगावाट क्षमता के 4 परमाणु रिएक्टर (700x4) स्थापित किए जाएंगे।
- वर्ष 2033 से इस संयंत्र में बिजली उत्पादन शुरू होने की संभावना है।
- शुरुआती लागत :** ₹42,000 करोड़।
- प्रकार :** प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर (PHWR)
- ईंधन :** प्राकृतिक यूरेनियम।
- कूलेंट :** मॉडरेटर, भारी पानी (D2O)
- कंपनी :** अणुशक्ति विद्युत निगम लिमिटेड (अश्विनी)
- यह देश में स्थापित होने वाला 9वाँ परमाणु रिएक्टर होगा।

--3--

अन्य महत्त्वपूर्ण बिन्दु:

- 9 मई, 2025 को परमाणु ऊर्जा नियामक बोर्ड (AERB) ने माही बाँसवाड़ा राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना (MBRAPP - 1 - 4) के स्थान निर्धारण के लिए सहमति जारी की थी।
- AERB के अनुसार प्रस्तावित स्थल परमाणु ऊर्जा संयंत्र के निर्माण और प्रचालन के लिए उपयुक्त है।
- इस परियोजना के लिए भारत सरकार और न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NPCIL) पहले से ही योजना बना चुके हैं।
- बाँसवाड़ा में स्थापित होने वाली यह राजस्थान की दूसरी न्यूक्लियर साइट होगी।
- **राजस्थान की प्रथम परमाणु परियोजना** : राजस्थान परमाणु ऊर्जा परियोजना (RAPP) रावतभाटा, चित्तौड़गढ़।
- **PHWR** : प्रेशराइज्ड हेवी वाटर रिएक्टर (PHWR) एक प्रकार का परमाणु ऊर्जा रिएक्टर होता है, जो भारी जल (ड्यूटेरियम ऑक्साइड/D2O) को शीतलक और न्यूट्रॉन मॉडरेटर के रूप में उपयोग करता है और प्राकृतिक यूरेनियम का उपयोग ईंधन के रूप में करता है।
- **भारत में परमाणु ऊर्जा के उत्पादन, रख-रखाव और निगरानी हेतु नोडल एजेंसी** : न्यूक्लियर पावर कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (NPCIL)

ईसरदा बाँध - सवाई माधोपुर

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा ईसरदा बाँध (सवाई माधोपुर) के प्रथम चरण का शुभारम्भ किया गया।



मुख्य बिन्दु:

- इस बाँध का निर्माण ईसरदा (सवाई माधोपुर) के पास बनास नदी पर किया जा रहा है।
- सवाई माधोपुर और दौसा जिले में पेयजल आपूर्ति की दृष्टि से ईसरदा बाँध महत्त्वपूर्ण है।
- इसका निर्माण दो चरणों में किया जाना निर्धारित है। प्रथम चरण में डैम का निर्माण पूर्ण भराव स्तर RL 262 मीटर (भराव क्षमता 10.77 TMC) तक पूर्ण किया जाएगा।
- इसमें पानी का भंडारण RL 256 मीटर (भराव क्षमता 3.24 TMC) तक ही किया जाना है।
- द्वितीय चरण में बाँध में पूर्ण भराव क्षमता RL 262 मीटर तक पानी संग्रहित हो सकेगा।
- परियोजना के प्रथम चरण की संशोधित प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति 1038.65 करोड़ रुपये है।

Daily Current Affairs

Date : 25 September, 2025



- यह परियोजना जलसंकट समाधान के साथ-साथ बीसलपुर बाँध के अधिशेष पानी और बनास नदी के बारिश के जल का कुशल प्रबंधन भी सुनिश्चित करेगी।
- साथ ही, ईसरदा बाँध से राम जल सेतु लिंक परियोजना (संशोधित PKC-ERCP लिंक परियोजना) के तहत रामगढ़ बाँध, बुचारा, छितोली इत्यादि बांधों में पेयजल के लिए आपूर्ति हो सकेगी।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

बनास नदी (उपनाम - वन की आशा, वर्णाशा, वशिष्ठि)

- उद्गम - खमनौर हिल्स (राजसमंद)
- संगम - चंबल नदी (रामेश्वर घाट, सवाई माधोपुर)
- कुल लंबाई - 512 किमी.।

सहायक नदियाँ:

- बाईं ओर की सहायक नदियाँ - कोठारी, खारी, डाई, मौरेल, कालीसिल।
- दाईं ओर की सहायक नदियाँ - आयड़ (बेड़च), मेनाल।
- बनास नदी केवल राजस्थान में प्रवाहित होने वाली सबसे लंबी नदी है।

त्रिवेणी संगम - बनास नदी राजस्थान में सर्वाधिक (3) त्रिवेणी संगम का निर्माण करती है।

1. बीगोद, भीलवाड़ा - बनास, बेड़च, मेनाल।
2. राजमहल, टोंक - बनास, खारी, डाई।
3. रामेश्वर घाट, सवाई माधोपुर - बनास, चंबल, सीप।

बनास नदी पर निर्मित प्रमुख बाँध: (पश्चिम से पूर्व)

1. नन्दसमंद बाँध (राजसमंद)
2. मातृकुण्डिया बाँध (चित्तौड़गढ़)
3. बीसलपुर बाँध (टोंक)
4. ईसरदा बाँध (सवाई माधोपुर)

--6--

राजस्थान में नगरीय निकायों की स्थिति

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राज्य सरकार द्वारा जयपुर, जोधपुर और कोटा में पहले से चल रहे दो-दो नगर निगमों के बजाय एक-एक नगर निगम करने का प्रस्ताव स्वीकृत किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- इस निर्णय के अनुसार, अब इन शहरों में एक-एक महापौर होंगे और वार्डों की संख्या भी कम की जाएगी।
- सरकार के इस निर्णय के बाद, प्रदेश में 312 के स्थान पर 309 नगरीय निकाय रह जाएंगे।
- इस फैसले से जयपुर नगर निगम में 150 वार्ड होंगे। आगामी चुनाव में जयपुर ग्रेटर और हेरिटेज का अस्तित्व खत्म होगा। जोधपुर व कोटा में 2 की जगह एक-एक नगर निगम होंगे। इनमें 100-100 वार्ड होंगे।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स (आर्थिक समीक्षा - 2024-25):

विकास प्राधिकरण और शहरी न्यास :

- राज्य सरकार द्वारा व्यवस्थित और समन्वित तरीके से शहरी आबादी की आधारभूत आवश्यकताओं को पूर्ण करने के लिए राज्य में विकास प्राधिकरणों, शहरी न्यासों, राजस्थान आवासन मण्डल, नगर नियोजन कार्यालय, जयपुर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन आदि का गठन किया गया है।
- नागरिकों की सुविधाओं हेतु राज्य में सात विकास प्राधिकरण (जयपुर, अजमेर, जोधपुर, कोटा, भरतपुर, बीकानेर और उदयपुर) और 10 शहरी न्यास (अलवर, आबू, बाड़मेर, भीलवाड़ा, चित्तौड़गढ़, जैसलमेर, पाली, श्रीगंगानगर, सीकर और सवाई माधोपुर) कार्यरत है।

- **स्मार्ट सिटी** : राजस्थान में चार शहरों-जयपुर, उदयपुर, कोटा और अजमेर को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने के लिए चुना गया है।

दीनदयाल अंत्योदय योजना-राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन (DAYN-ULM)

- यह मिशन राजस्थान के 213 शहरी स्थानीय निकायों में प्रभावी रूप से क्रियान्वित किया जा रहा है।



राजू मंगोड़ीवाला - तेलंगाना और ओडिशा राज्यों के प्रवासी समन्वयक

चर्चा में क्यों?

- हाल ही में, राजस्थान फाउंडेशन द्वारा व्यवसायी राजू मंगोड़ीवाला को तेलंगाना और ओडिशा राज्यों का प्रवासी समन्वयक मनोनीत किया गया।

मुख्य बिन्दु:

- राजस्थान फाउंडेशन का उद्देश्य भारत और विदेशों में प्रवासी राजस्थानियों के साथ जुड़ना और राज्य के विकास में उनकी भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।
- यह प्रवासी राजस्थानियों को राज्य के सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान देने के लिए एक मंच प्रदान करता है।
- राजस्थान फाउंडेशन ने भारत में चेन्नई, कोयंबटूर, कोलकाता, सूरत, मुंबई, बेंगलुरु, अहमदाबाद, हैदराबाद, इंदौर और विदेशों में लंदन (UK), न्यूयॉर्क (USA) और काठमांडू (नेपाल) सहित 12 शहरों में शाखाएँ स्थापित की हैं।
- साथ ही, दुबई (UAE), म्यूनिख (जर्मनी), रियाद (सऊदी अरब), टोक्यो (जापान), सिंगापुर, मेलबर्न (ऑस्ट्रेलिया), नैरोबी (केन्या), कंपाला (युगांडा) और दोहा (कतर) में राजस्थान फाउंडेशन के चैप्टर खोले जाने की स्वीकृति मिल चुकी है।
- अध्यक्ष** : राजस्थान के मुख्यमंत्री राजस्थान फाउंडेशन के पदेन अध्यक्ष होते हैं।

फैक्ट्स फॉर प्रीलिम्स:

- प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस (10 दिसंबर)** : राजस्थान सरकार द्वारा 10 दिसंबर, 2025 को 'प्रथम प्रवासी राजस्थानी दिवस' मनाया जाएगा।

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>ड्यूंस एविएशन एकेडमी : हमीरगढ़ (भीलवाड़ा)</p> <ul style="list-style-type: none">हाल ही में, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा भीलवाड़ा के हमीरगढ़ में ड्यूंस एविएशन एकेडमी का उद्घाटन किया गया।राजस्थान सरकार द्वारा एविएशन सेक्टर के तीव्र विकास के लिए 'राजस्थान नागरिक उड्डयन नीति-2024' लॉन्च की गई है।इस नीति का उद्देश्य प्रदेश के युवाओं को रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराना और राजस्थान को देश का एविएशन हब बनाना है।
2.	<p>IFTM टॉप रेसा ट्रेवल मार्ट</p> <ul style="list-style-type: none">राजस्थान पर्यटन विभाग ने फ्रांस की राजधानी पेरिस में आयोजित 'IFTM टॉप रेसा ट्रेवल मार्ट' में हिस्सा लिया।आयोजन : 23 से 25 सितम्बर, 2025 तक।IFTM टॉप रेसा ट्रेवल मार्ट (पेरिस) में राजस्थान के पर्यटन सचिव राजेश कुमार यादव द्वारा राजस्थान पवेलियन का उद्घाटन किया गया।
3.	<p>राजप्लास्ट - 2025</p> <ul style="list-style-type: none">JECC सीतापुरा (जयपुर) में प्लास्टिक मैनुफैक्चर्स एसोसिएशन राजस्थान और पीएचडी चैम्बर की ओर से 'राजप्लास्ट - 2025' का आयोजन किया गया।आयोजन : 19 से 21 सितंबर, 2025 तक।थीम : ग्रोथ विद सस्टेनेबिलिटी।

4.

डॉ. मोहन चौधरी

- हाल ही में, भारत सरकार द्वारा राजस्थान के डॉ. मोहन चौधरी को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले 'वर्ल्ड पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप' में तकनीकी अधिकारी के रूप में नियुक्त किया।
- नई दिल्ली स्थित जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम में 27 सितंबर से 5 अक्टूबर, 2025 तक 'विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2025' का आयोजन किया जाएगा।
- यह विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप का 12वाँ संस्करण है और भारत में आयोजित अब तक का सबसे बड़ा पैरा खेल आयोजन होगा।

5.

'AU बनो चैंपियन' विलेज लेवल टूर्नामेंट

- हाल ही में, सम्पूर्ण राजस्थान में 'AU बनो चैंपियन' विलेज लेवल टूर्नामेंट के 5वें संस्करण का आयोजन किया गया।
- **उद्देश्य** : राजस्थान के 75 ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में खेलों की संस्कृति को विकसित करना, युवाओं को भागीदारी के लिए प्रेरित करना, अनुशासन और कौशल को बढ़ावा देना तथा संरचित प्रशिक्षण अवसर उपलब्ध कराना।

6.

'फेस ऑफ द ईयर 2025' : रुचि चतुर्वेदी

- हाल ही में, जयपुर की रुचि चतुर्वेदी ने 'प्राइड ऑफ इंडिया मिस इंडिया 2025' में 'फेस ऑफ द ईयर' का खिताब जीता।

7.

ओ-आर्म नेविगेशन तकनीक

- हाल ही में, जयपुर स्थित महात्मा गाँधी अस्पताल में 'ओ-आर्म नेविगेशन तकनीक' के माध्यम से जटिल स्पाइन सर्जरी को सम्पन्न किया गया।
- ओ-आर्म नेविगेशन एक उन्नत चिकित्सा तकनीक है, जो रीढ़ की सर्जरी के दौरान वास्तविक समय में 2D और 3D छवियाँ प्रदान करती है। यह सर्जनों को जटिल स्पाइनल संरचनाओं में सटीक नेविगेशन और प्रत्यारोपण (जैसे स्कू) की सटीक स्थिति सुनिश्चित करने में मदद करती है।

8.

बांडी, लूणी और जोजड़ी नदी में रासायनिक प्रदूषण

- हाल ही में, राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा पाली की बांडी नदी, जोधपुर की लूणी व जोजड़ी नदी में फैल रहे केमिकल युक्त रासायनिक पानी के प्रदूषण को लेकर राज्य सरकार को नोटिस जारी किया।
- ज्ञातव्य है कि जोजड़ी नदी के प्रदूषण का मामला सुप्रीम कोर्ट में भी स्वतः संज्ञान में लिया गया।

9.

राजस्थान के 17 राजनीतिक दलों की मान्यता रद्द

- हाल ही में, भारत निर्वाचन आयोग ने निष्क्रिय राजनीतिक दलों पर कार्रवाई करते हुए राजस्थान में 17 गैर-मान्यता प्राप्त पंजीकृत दलों का रजिस्ट्रेशन रद्द कर दिया।

10.

देश का दूसरा सबसे बड़ा अक्षरधाम मंदिर : जोधपुर

- हाल ही में, जोधपुर के कालीबेरी में 26.24 एकड़ में विस्तृत देश के दूसरे सबसे बड़े अक्षरधाम मंदिर का उद्घाटन किया गया।
- देश के 9 राज्यों में बने स्वामीनारायण संप्रदाय के 10 बड़े मंदिरों में यह दूसरा सबसे बड़ा है।

CIVIL SERVICES

राष्ट्रीय परिदृश्य

नदी उत्सव, 2025



मुख्य बिन्दु:

- आयोजन : 25 से 27 सितम्बर, 2025 तक इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र, नई दिल्ली।
- आयोजक : संस्कृति मंत्रालय।
- संस्करण : छठा संस्करण।
- उद्घाटन : केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल।
- राष्ट्रीय संगोष्ठी : "रिवरस्केप डायनेमिक्स: परिवर्तन और निरंतरता" शीर्षक से आयोजित इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में नदियों को पारिस्थितिक, सांस्कृतिक और भावनात्मक आख्यानों से जोड़ने वाले विभिन्न विषयों पर प्रविष्टियां आमंत्रित की गई हैं।

सेमिनार के उप-विषयों में शामिल होंगे:

1. पारंपरिक नदी ज्ञान और बुद्धिमत्ता।
2. नदी देवताओं और लोक कथाओं में।

वर्ल्ड फूड इंडिया, 2025



मुख्य बिन्दु:

- **आयोजन** : 25 से 28 सितंबर, 2025 तक भारत मंडपम, नई दिल्ली में।
- **संस्करण** : चौथा संस्करण।
- **आयोजक** : खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय।
- **सहयोग** : कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, मत्स्य विभाग, पशुपालन और डेयरी विभाग, MSME मंत्रालय, एपीडा, एमपेडा और विभिन्न कमोडिटी बोर्ड्स।
- **उद्देश्य** : भारत को विविध खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र में नवाचार, निवेश को बढ़ावा देना और साथ ही भारत की समृद्ध खाद्य संस्कृति को वैश्विक केंद्र बनाना। ("Food Basket of the World")
- **विश्व खाद्य भारत, 2025 के भागीदार देश** : न्यूज़ीलैंड और सऊदी अरब।
- **फोकस देश** : रूस, संयुक्त अरब अमीरात, जापान और वियतनाम।
- **कार्यक्रम का उद्घाटन** : प्रधानमंत्री।

--:15:--

Daily Current Affairs

Date : 25 September, 2025



- यह देश के खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र का अब तक का सबसे बड़ा आयोजन हैं।
 - इस अवसर पर “Frequently Asked Questions on Different Concepts of Food Processing” नामक प्रकाशन भी लॉन्च किया, जिसका उद्देश्य प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना और उपभोक्ताओं को विज्ञान-आधारित जानकारी देकर सही विकल्प चुनने में सहायता करना है।
 - इस कार्यक्रम के दौरान कई समानांतर कार्यक्रम भी आयोजित किए जाएंगे, जिनमें FSSAI द्वारा तीसरा ग्लोबल फूड रेगुलेटर्स समिट, SEAI द्वारा 24वाँ इंडिया इंटरनेशनल सीफूड शो और एपीडा द्वारा 1,000 से अधिक खरीदारों के साथ रिवर्स बायर-सेलर मीट शामिल हैं।
- वर्ल्ड फूड इंडिया 2025 पाँच मुख्य स्तंभों पर आधारित हैं:

सस्टेनेबिलिटी और नेट
जीरो फूड प्रोसेसिंग

भारत को वैश्विक केंद्र
बनाना

खाद्य प्रसंस्करण और
पैकेजिंग तकनीकों में
प्रगति

पोषण और वेलनेस के
लिए खाद्य उत्पाद

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को
बढ़ावा देने के लिए
पशुधन और समुद्री उत्पाद

--:16:--

विकसित भारत बिल्डथॉन, 2025

चर्चा में क्यों?

- 22 सितम्बर, 2025 को केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने राष्ट्रव्यापी नवोन्मेषण अभियान 'विकसित भारत बिल्डथॉन, 2025' का शुभारंभ किया।



मुख्य बिन्दु:

- उद्देश्य :** राष्ट्रीय विकास के लिए रचनात्मक सोच को प्रेरित करना, आत्मनिर्भरता और सतत विकास को बढ़ावा देना, स्कूलों को समन्वित नवाचार में शामिल करना, एक संभावित विश्व रिकॉर्ड के माध्यम से भारत को वैश्विक नवाचार राजधानी के रूप में प्रस्तुत करना और राष्ट्रीय एवं वैश्विक मंचों पर युवा समस्या-समाधानकर्ताओं का सम्मान करना है।
- शुभारम्भ :** 23 सितंबर, 2025
- बिल्डथॉन का समापन :** जनवरी, 2026, जिसमें 1,000 से अधिक विजेताओं को सम्मानित किया जाएगा।
- आयोजक :** शिक्षा मंत्रालय के स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग (DOSEL) द्वारा।

Daily Current Affairs

Date : 25 September, 2025



- **सहयोग :** अटल इनोवेशन मिशन, नीति आयोग और AICTE
- इस कार्यक्रम के दौरान विकसित भारत बिल्डथॉन का जिंगल और लोगो लॉन्च किया।
- अब तक का सबसे बड़ा स्कूल हैकथॉन छात्रों को चार विषय-वस्तुओं में नवोन्मेषण की संस्कृति को सुदृढ़ करेगा।



-:18:-

ओजू जलविद्युत परियोजना

चर्चा में क्यों?

- केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की विशेषज्ञ समिति ने भारत-चीन सीमा के पास सुबनसिरी नदी पर 2,200 मेगावाट की ओजू जलविद्युत परियोजना को मंजूरी दी।



मुख्य बिन्दु:

सुबनसिरी नदी:

- उद्गम:** तिब्बत। यह ब्रह्मपुत्र की सबसे बड़ी सहायक नदी है। यह ट्रांस-हिमालयी पूर्ववर्ती नदी (Antecedent river) है।
- मार्ग:** यह भारत में अरुणाचल प्रदेश में प्रवेश करती है, और असम से होकर बहती हुई ब्रह्मपुत्र नदी में मिल जाती है। इस नदी को "स्वर्ण नदी" (Gold River) भी कहा जाता है, क्योंकि इसके पानी में सोने के कण पाए जाते हैं।

बैरन द्वीप ज्वालामुखी

चर्चा में क्यों?

- अंडमान द्वीप समूह के बैरन द्वीप ज्वालामुखी में फिर से उद्गार हुआ है।



मुख्य बिन्दु:

बैरन द्वीप:

- **अवस्थिति:** यह अंडमान सागर (अंडमान और निकोबार द्वीप समूह) में स्थित है।
- यह श्री विजयपुरम (पुराना नाम-पोर्ट ब्लेयर) से 138 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में स्थित है।
- **विशेषता:** यह भारत का एकमात्र सक्रिय ज्वालामुखी है।
- **प्रकार:** यह एक प्रकार का स्ट्रेटोवोलकानो है, जो अंडमान ज्वालामुखी चाप का हिस्सा है।

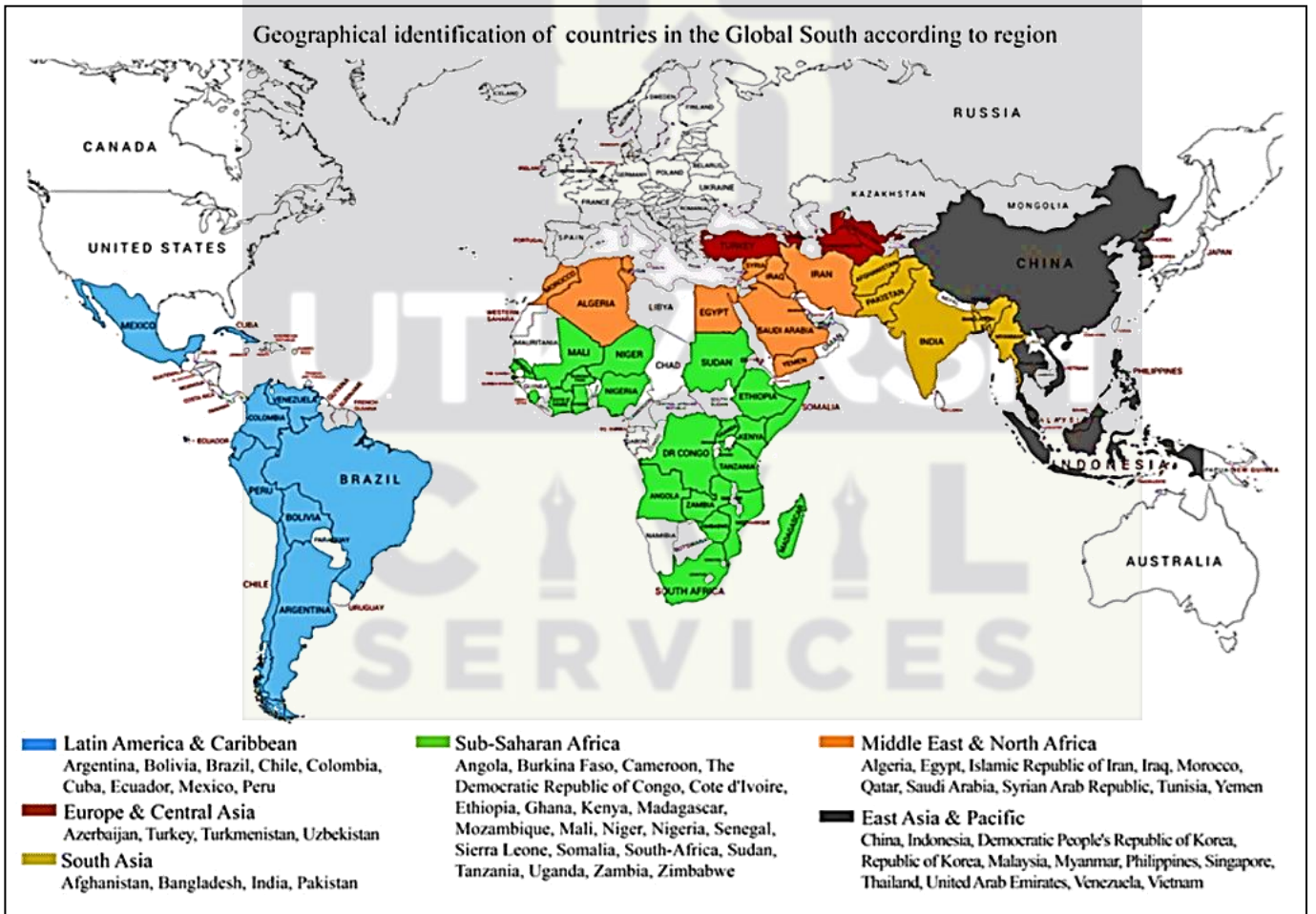
--:20:--

अंतरराष्ट्रीय परिदृश्य

ग्लोबल साउथ देशों की उच्चस्तरीय बैठक : न्यूयॉर्क

चर्चा में क्यों?

- 24 सितम्बर, 2025 को विदेश मंत्री डॉ. सुब्रह्मण्यम जयशंकर ने 80वें संयुक्त राष्ट्र महासभा सत्र के दौरान न्यूयॉर्क में ग्लोबल साउथ देशों की एक उच्चस्तरीय बैठक की मेजबानी की।



मुख्य बिन्दु:

ग्लोबल साउथ :

- ग्लोबल साउथ शब्द का पहली बार प्रयोग वर्ष 1969 में राजनीतिक कार्यकर्ता कार्ल ओग्लेस्बी ने किया था।

Daily Current Affairs

Date : 25 September, 2025



- ग्लोबल साउथ से तात्पर्य उन देशों से है जिन्हें अक्सर विकासशील, कम विकसित अथवा अविकसित के रूप में जाना जाता है, यह मुख्य रूप से अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका में स्थित हैं।
- आमतौर पर ग्लोबल नार्थ के धनी देशों की तुलना में इन देशों में उच्च स्तर की गरीबी, आय असमानता और जीवन स्थितियाँ चुनौतीपूर्ण हैं।
- पूर्व में विकासशील देशों को आमतौर पर "तीसरी दुनिया" कहा जाता था, यह शब्द वर्ष 1952 में अल्फ्रेड सॉवी द्वारा दिया गया था।

ग्लोबल साउथ के लिये भारत की पहल:

- जनवरी, 2023 में भारत द्वारा आयोजित "वॉयस ऑफ ग्लोबल साउथ समिट" में भारतीय प्रधानमंत्री ने अन्य विकासशील देशों के विकास का समर्थन करने के लिये पाँच पहलों की घोषणा की।
1. "ग्लोबल साउथ सेंटर ऑफ एक्सीलेंस" : विकास समाधानों और सर्वोत्तम प्रथाओं पर शोध हेतु।
 2. "ग्लोबल साउथ साइंस एंड टेक्नोलॉजी इनिशिएटिव" : अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और परमाणु ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में भारतीय विशेषज्ञता को साझा करना।
 3. "आरोग्य मैत्री" परियोजना : प्राकृतिक आपदाओं या मानवीय संकटों से प्रभावित किसी भी विकासशील देश को आवश्यक चिकित्सा आपूर्ति प्रदान करना।
 4. "ग्लोबल साउथ यंग डिप्लोमैट्स फोरम" : विदेश मंत्रालयों के युवा अधिकारियों को मंच प्रदान करता है।
 5. "ग्लोबल साउथ स्कॉलरशिप" : विकासशील देशों के छात्रों को भारत में उच्च शिक्षा के अवसर प्रदान करना।

-:22:-

अमेरिका द्वारा H-1B वीज़ा शुल्क: भारत के लिए अवसर



चर्चा में क्यों?

- अमेरिका द्वारा H-1B वीज़ा शुल्क बढ़ाने वाला कदम भारत को अपने घरेलू नवाचार और प्रौद्योगिकी इकोसिस्टम को मजबूत करने की आवश्यकता पर जोर देता है।



मुख्य बिन्दु:

भारत के लिए अवसर

- **प्रतिभा पलायन को रोकना:** भारत में STEM स्नातकों और युवा पेशेवर जो देश में ही नवाचार एवं तकनीकी विकास में योगदान कर सकता है।
STEM: विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित।
- **स्टार्ट-अप इकोसिस्टम:** भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप हब है। भारत में फिनटेक, एड-टेक और हेल्थ-टेक में 'यूनिर्कॉर्न' कंपनियाँ लाभ उठा सकता है।
- **नीतिगत समर्थन:** 'स्टार्ट-अप इंडिया', 'डिजिटल इंडिया', 'मेक इन इंडिया' और 'अटल इनोवेशन मिशन' जैसी सरकारी पहलें उद्यमिता व नवाचार को बढ़ावा देने के लिए चलाई जा रही हैं।
- **कम लागत व बाजार का लाभ:** कम परिचालन लागत और बड़ा घरेलू उपभोक्ता आधार प्रतिभा एवं निवेश को आकर्षित करता है।
- **उभरती प्रौद्योगिकियाँ:** AI जैसे क्षेत्रों में बढ़ता निवेश भारत को "एशियन सिलिकॉन वैली" बनाने का अवसर देता है।
भारत के लिए चुनौतियाँ
- **अनुसंधान एवं विकास (R&D) और कौशल:** भारत में अनुसंधान पर केवल जीडीपी का 0.7% व्यय किया जाता है।
- **अवसंरचना एवं विनियमन:** अपर्याप्त अवसंरचना और जटिल विनियामक फ्रेमवर्क तकनीकी प्रगति को धीमा करते हैं।
- **बौद्धिक संपदा अधिकार (IPR) और व्यावसायीकरण:** बौद्धिक संपदा संरक्षण की कमजोरी तथा शोध परिणामों को वैश्विक उत्पादों में रूपांतरित करने की सीमित क्षमता एक बड़ी चुनौती है।
- **क्षेत्रीय सहयोग:** राजनीतिक तनाव और विनियामक मतभेद दक्षिण एशिया में सहयोगी तकनीकी पहलों में बाधा डालते हैं।

पर्यावरण एवं पारिस्थितिकी

तमिलनाडु कोस्टल रिस्टोरेशन मिशन (TN-SHORE)



मुख्य बिन्दु:

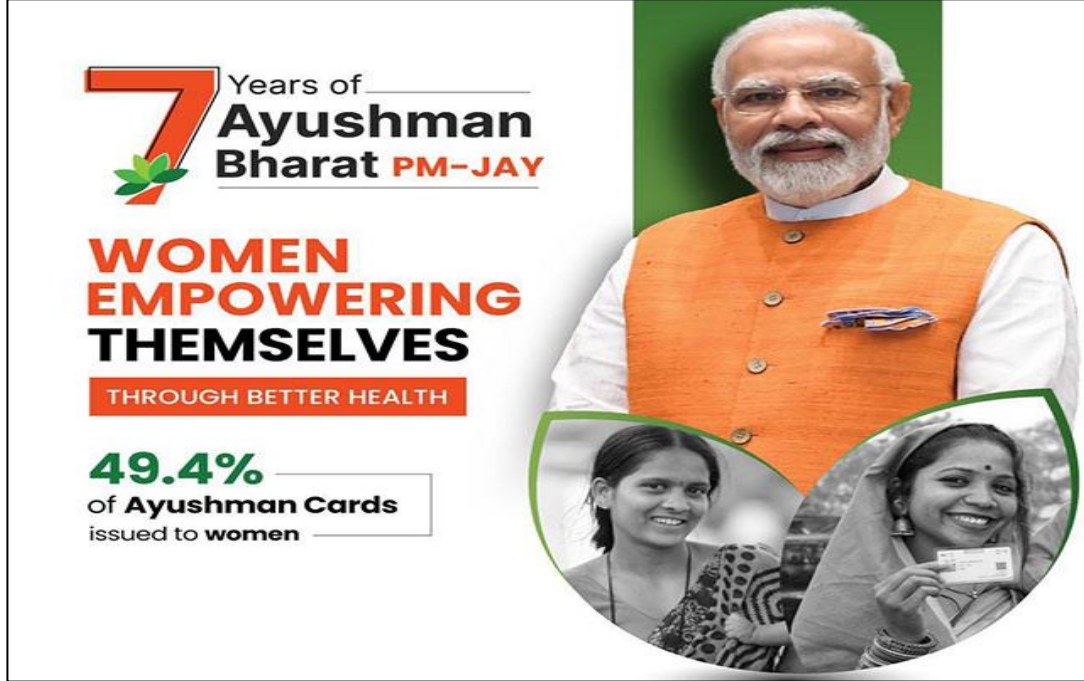
- सितंबर 2025 में स्वीकृत TN-SHORE, 1,675 करोड़ रुपये की एक महत्वाकांक्षी परियोजना है।
- इस परियोजना को विश्व बैंक द्वारा वित्त-पोषित किया जाएगा। इसका उद्देश्य तमिलनाडु की तटीय अर्थव्यवस्था को मजबूत करना और उसकी प्राकृतिक प्रतिरोधकता को बढ़ाना है।
- TN-SHORE का मुख्य घटक 1,000 हेक्टेयर क्षेत्र में मैंग्रोव की बहाली और वृक्षारोपण है।
- विश्व बैंक द्वारा दी जाने वाली धनराशि सीधे ग्राम-स्तरीय मैंग्रोव परिषदों को दी जाएगी। इन परिषदों में स्थानीय लोग शामिल होंगे।
- मैंग्रोव के अलावा, इस पहल का लक्ष्य 30,000 हेक्टेयर समुद्री क्षेत्र का पुनर्स्थापन करना तथा लुप्तप्राय प्रजातियों जैसे डुर्गोंग और कछुओं की सुरक्षा करना भी है।

भारत में मैंग्रोव

- भारत वन स्थिति रिपोर्ट 2023 (ISFR-2023) के अनुसार, देश में कुल मैंग्रोव क्षेत्रफल 4,991.68 वर्ग किलोमीटर है।
- 2001 से 2023 के बीच भारत में मैंग्रोव क्षेत्रफल में 11.4% की निवल वृद्धि दर्ज की गई।
- भारत में सबसे ज्यादा मैंग्रोव पश्चिम बंगाल में पाए जाते हैं। इसके बाद गुजरात का स्थान है।

महत्त्वपूर्ण योजनाएँ

आयुष्मान भारत: प्रधानमंत्री जन-आरोग्य योजना के 7 वर्ष पूर्ण



मुख्य बिन्दु:

- सार्वजनिक रूप से वित्त पोषित सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना हैं।
- पूर्ण रूप : Union Cabinet approved health cover for senior citizens under the Ayushman Bharat Pradhan Mantri Jan Arogya Yojana (AB PM-JAY)।
- शुरुआत : वर्ष 2018 में शुरू किया गया आयुष्मान भारत भारत सरकार का एक प्रमुख कार्यक्रम है, जो सार्वभौमिक स्वास्थ्य कवरेज (UHC) के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति 2017 की सिफारिशों के अनुरूप है।
- पूर्व नाम : इस योजना को पूर्व में राष्ट्रीय स्वास्थ्य संरक्षण योजना (NHPS) के रूप में जाना जाता था।
- मंत्रालय : स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय।

--:25:--

Daily Current Affairs

Date : 25 September, 2025



- **प्रकार:** आयुष्मान भारत मिशन के अंतर्गत केंद्र प्रायोजित योजना।
- **उद्देश्य :** यह पहल सतत् विकास लक्ष्यों (SDG) के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य व्यापक सतत् देखभाल दृष्टिकोण के माध्यम से प्राथमिक, माध्यमिक और तृतीयक स्तरों पर स्वास्थ्य सेवा पहुँच में सुधार करना है।
- **लक्ष्य :** 12 करोड़ परिवार (लगभग 55 करोड़ लाभार्थी), जनसंख्या के सबसे गरीब 40% को प्राथमिकता देना।
- **वित्तपोषण :** पूर्णतः सरकार द्वारा वित्तपोषित।
- **वित्तीय हिस्सेदारी :** केंद्र और राज्य का हिस्सा 60:40 है (पूर्वोत्तर राज्यों और दो हिमालयी राज्यों (हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड) और जम्मू और कश्मीर के लिए 90:10)।
- **पात्रता मानदंड :** 70 वर्ष या उससे अधिक आयु के सभी वरिष्ठ नागरिक, चाहे उनकी आय कुछ भी हो।
- **कार्यान्वयन एजेंसियाँ :** राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) एक स्वायत्त निकाय है जिसकी अध्यक्षता केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री करते हैं।
- **राज्य :** राज्य सरकार द्वारा नियुक्त CEO की अध्यक्षता में राज्य एचए।
- **जिला :** जिला कार्यान्वयन इकाई (DIU) जिसकी अध्यक्षता जिला कलक्टर करते हैं।
- **लाभार्थी :** सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना-2011 (SECC-2011) के माध्यम से पहचाने गए।

प्रमुख घटक :

आयुष्मान आरोग्य मंदिर (AAM)

- स्वास्थ्य सेवाओं की एक विस्तृत श्रृंखला प्रदान करते हैं, जिसमें निवारक, प्रोत्साहन, पुनर्वास और उपचारात्मक देखभाल शामिल हैं। इनमें मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के अलावा विस्तारित श्रेणी की सेवाएँ प्रदान करने की परिकल्पना की गई है, जिसमें गैर-संचारी रोगों की देखभाल, उपशामक और पुनर्वास देखभाल, मौखिक, नेत्र और ईएनटी देखभाल, मानसिक स्वास्थ्य आदि शामिल हैं।

--:26:--

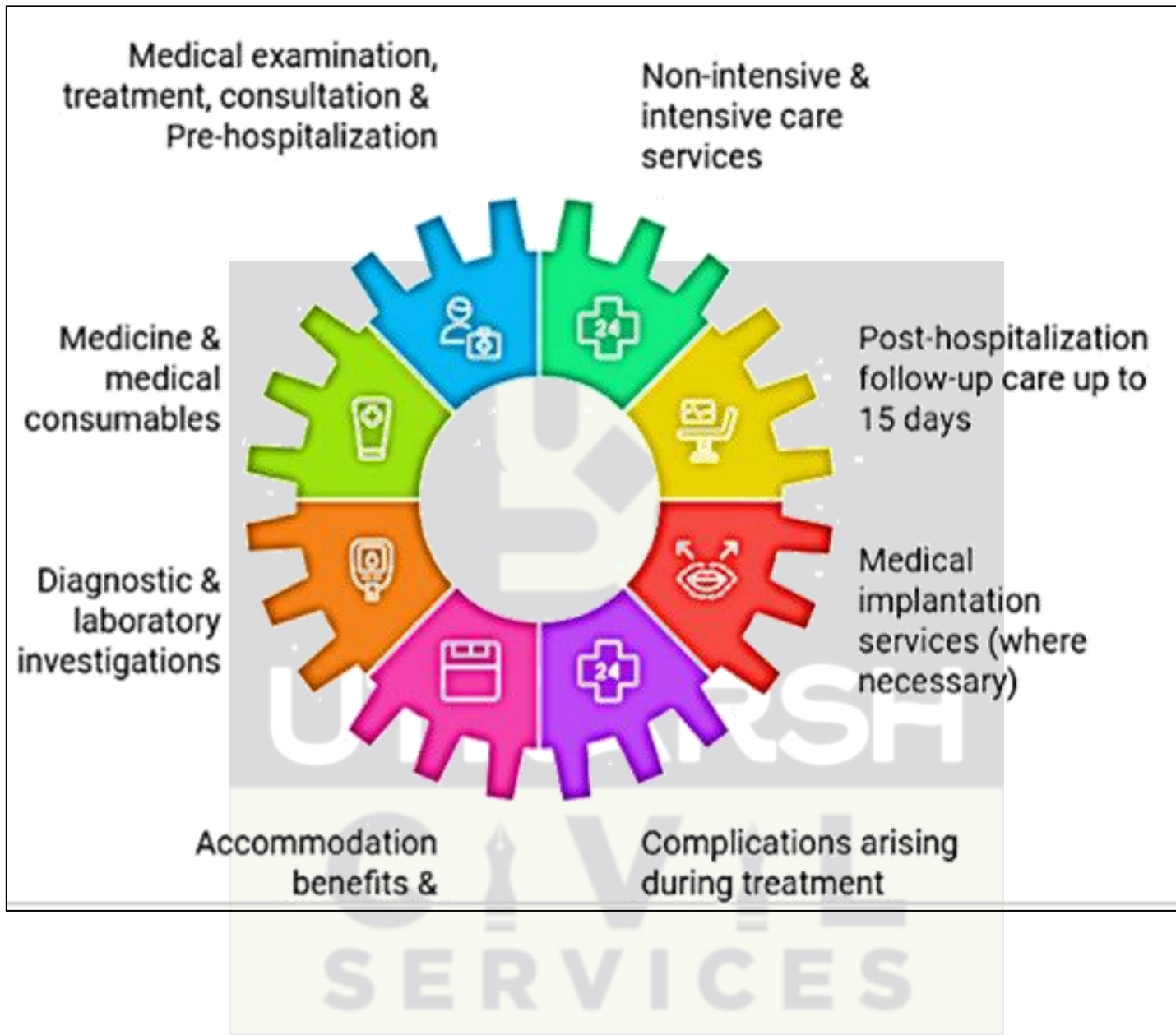


प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PM-JAY)

- द्वितीयक और तृतीयक देखभाल अस्पताल में भर्ती के लिए प्रति परिवार प्रति वर्ष 5 लाख रुपये का स्वास्थ्य कवर प्रदान करती है।
- पूरे भारत में सूचीबद्ध सार्वजनिक या निजी अस्पताल के माध्यम से राष्ट्रव्यापी पोर्टेबिलिटी।
- अस्पताल में भर्ती होने से पहले के 3 दिनों तक और अस्पताल में भर्ती होने के बाद के 15 दिनों तक के खर्चों को कवर किया जाता है।
- देखभाल के स्थान पर नकदी रहित और कागज रहित स्वास्थ्य सेवाएँ।
- परिवार के आकार, आयु या लिंग पर कोई प्रतिबंध नहीं हैं।

Daily Current Affairs

Date : 25 September, 2025



आर्थिक परिदृश्य

स्टार्टअप कॉन्क्लेव, 2025

चर्चा में क्यों?

- 23 सितम्बर, 2025 को केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने गुजरात के गाँधीनगर में स्टार्टअप कॉन्क्लेव 2025 का उद्घाटन किया।



मुख्य बिन्दु:

कॉन्क्लेव के मुख्य बिंदु:

- यह कॉन्क्लेव innovate, elevate और accelerate के तीन मंत्रों की थीम पर आयोजित किया गया।

Daily Current Affairs

Date : 25 September, 2025



भारत का स्टार्टअप तंत्र :

- **भारत की वैश्विक स्थिति :** 'स्टार्टअप इंडिया' (वर्ष 2016) लॉन्च होने के बाद 8 वर्षों में भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्टअप इकोसिस्टम है।
- वर्ष 2025 में इनोवेशन इंडेक्स में भारत की रैंकिंग 38 वीं है, साथ ही पिछले दस वर्षों में भारत विश्व का तीसरा सबसे बड़ा डिजिटल इकोसिस्टम भी बन चुका है।
- **महिलाओं की भूमिका :** देश के 48% स्टार्टअप महिलाओं द्वारा बनाए गए हैं, पूर्वोत्तर में भी 900 स्टार्टअप्स महिलाओं के नेतृत्व वाले हैं।
- **रोजगार :** स्टार्टअप इकोसिस्टम ने अब तक 17 लाख 90 हजार लोगों को स्थायी रोजगार दिया।
- **भारत में स्टार्टअप किस संख्या :** वर्ष 2014 में 500 स्टार्टअप व 4 यूनिकॉर्न से बढ़कर वर्ष 2025 में 1.92 लाख स्टार्टअप और 350 बिलियन डॉलर से अधिक की वैल्यू वाले 120 से अधिक यूनिकॉर्न हैं।
- **घरेलू स्थिति :** 16 हजार स्टार्टअप्स के साथ गुजरात देश के टॉप 5 राज्यों में शामिल है तथा 6650 स्टार्टअप्स के साथ अहमदाबाद भी शीर्ष 4 शहरों में शामिल है।
- **सरकार के प्रयास :** 10 हजार करोड़ का फंड ऑफ फंड्स, 945 करोड़ कॉर्पस का स्टार्टअप इंडिया सीड फंड, अधिकतम ऋण की सीमा को 10 करोड़ रुपए से बढ़ा कर 20 करोड़ रुपए कर दिया गया, प्रूफ ऑफ कॉन्सेप्ट के लिए 20 लाख रुपए तक देने का तय किया, प्रोटोटाइप विकास के लिए 50 लाख रुपए की फंडिंग अप्रूव की तथा GST घटाकर 12 लाख रुपए तक की आय पर जीरो टैक्स किया गया।

--:30:--

अन्य महत्त्वपूर्ण बिंदु:

एक सफल स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र के घटक



स्टार्टअप इंडिया योजना :

- **शुरुआत :** 16 जनवरी, 2016
- **सरकारी मंत्रालय :** वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
- **विभाग :** उद्योग और आंतरिक व्यापार विभाग
- उद्योग और आंतरिक व्यापार को बढ़ावा देने के लिए विभाग द्वारा आयोजित, स्टार्टअप इंडिया का प्रमुख उद्देश्य कुछ प्रतिबंधात्मक राज्य सरकार की नीतियों को त्यागना है जिसमें शामिल हैं:

--:31:--

- लाइसेंस राज
- भूमि अनुमतियाँ
- विदेशी निवेश प्रस्ताव
- पर्यावरण मंजूरी

स्टार्टअप इंडिया योजना मुख्यतः तीन स्तंभों पर आधारित है:

- देश के विभिन्न स्टार्टअप को वित्त पोषण सहायता और प्रोत्साहन प्रदान करना।
- उद्योग-शैक्षणिक भागीदारी और ऊष्मायन प्रदान करना।
- सरलीकरण और हैंड होल्डिंग।

स्टार्टअप इंडिया की मुख्य विशेषताएँ

क्षेत्र-विशिष्ट नीतियाँ

मुख्य क्षेत्रों में लक्षित विकास को बढ़ावा देने के लिये नीतियाँ

व्यवसाय करने में आसानी

सरलीकृत अनुपालन और सिंगल-विंडो क्लियरेंस

कर लाभ

पात्र स्टार्टअप्स के लिये तीन वित्तीय वर्षों के लिये कर में छूट

वित्तीय सहायता

शुरुआती चरण के स्टार्टअप्स के लिये ₹10,000 करोड़ का फंड

राजव्यवस्था

विशाखापत्तनम घोषणा-पत्र: 28वें राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन



चर्चा में क्यों?

- भारत में ई-गवर्नेंस को आगे बढ़ाने के लिए 'विशाखापत्तनम घोषणा-पत्र' को अपनाया गया। इसमें यह आह्वान किया गया है कि समग्र सरकारी तंत्र को मिलकर काम करना होगा, ताकि सार्वजनिक सेवाओं को डिजिटल कौशल के साथ मजबूत किया जा सके और तेजी से, डेटा-आधारित प्रणाली विकसित की जा सके।



मुख्य बिन्दु:

- **राष्ट्रीय दृष्टिकोण:** समावेशी, नागरिक-केंद्रित और पारदर्शी शासन को बढ़ावा देना, जिसमें न्यूनतम सरकार, अधिकतम शासन पर जोर दिया गया।
- **प्रौद्योगिकी-आधारित शासन:** AI, ML, ब्लॉकचेन, GIS, IoT और डेटा एनालिटिक्स को अपनाकर बहुभाषी, रियल-टाइम एवं क्षेत्रक-विशिष्ट नागरिक सेवाएँ प्रदान करना। इसमें नैतिकता और पारदर्शिता अपनाने की जरूरत पर बल दिया गया है।
उदाहरण: डिजिटल इंडिया भाषिणी, डिजी यात्रा, NADRES V2 आदि।
- **सफल मॉडल्स का विस्तार:** SAMPADA/संपदा 2.0 (मध्य प्रदेश), ई-खाता (बेंगलुरु), रोहिणी ग्राम पंचायत (महाराष्ट्र), NHAI का ड्रोन एनालिटिक्स मॉनिटरिंग सिस्टम (DAMS) आदि जैसे मॉडल्स के राष्ट्रव्यापी विस्तार पर ध्यान केंद्रित करना।
- **जमीनी स्तर और समावेशी विकास:**
 - **भौगोलिक पहुँच:** नेशनल ई-गवर्नेंस सर्विस डिलीवरी असेसमेंट (NeSDA) ढाँचे के तहत उत्तर-पूर्व और लद्दाख जैसे क्षेत्रों तक पहुँच बढ़ाना, जहाँ कनेक्टिविटी की समस्या है।
 - सफल पंचायत डिजिटल मॉडल्स का पूरे देश में विस्तार, महिलाओं, युवाओं आदि को लक्षित कर डिजिटल साक्षरता कार्यक्रम शुरू करना इत्यादि।
- **साइबर सुरक्षा और स्थिरता:** जीरो ट्रस्ट आर्किटेक्चर, पोस्ट-क्वांटम सुरक्षा तथा AI आधारित निगरानी जैसी तकनीकों को प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रकों जैसे परिवहन, रक्षा एवं नागरिक सेवा प्लेटफॉर्म में लागू करना।
- **कृषि और संधारणीयता:** नेशनल एग्री स्टैक के माध्यम से किसानों को बेहतर क्रेडिट, सलाह और बाजार तक पहुँच प्रदान करना।

मुख्य बिन्दु:

- इस रिपोर्ट का उद्देश्य भारत की पंचामृत प्रतिबद्धताओं को पूरा करना, 2047 तक ऊर्जा आत्मनिर्भरता हासिल करना और 2070 तक नेट-ज़ीरो उत्सर्जन का लक्ष्य प्राप्त करना है।
- **राष्ट्रीय सौर क्षमता (Solar Potential) का नया आकलन:** 2014 में जहाँ क्षमता 749 GWp आँकी गई थी, वहीं अब यह बढ़कर लगभग 3,343 GWp हो गई है।
- **भौगोलिक वितरण:** राजस्थान और महाराष्ट्र में अधिक सौर क्षमता पाई गई है।
- देश में चिह्नित की गई बंजर भूमि का लगभग 6.69% हिस्सा सौर ऊर्जा प्राप्ति में इस्तेमाल किया जा सकता है।
- **भारत में सौर ऊर्जा क्षमता को पूरी तरह हासिल करने में मौजूद प्रमुख चुनौतियाँ**
- **भूमि अधिग्रहण:** बड़े स्तर पर सोलर पार्क लगाने के लिए बहुत अधिक भूमि की आवश्यकता होती है।
जैसे- राजस्थान और गुजरात में चरागाह भूमि व जैव विविधता से समृद्ध रेगिस्तानी पारितंत्र को लेकर संघर्ष।
- **ग्रिड एकीकरण:** किफायती ऊर्जा भंडारण तकनीकों की कमी के कारण मौसम पर निर्भर सौर ऊर्जा को ग्रिड में सही ढंग से जोड़ना मुश्किल।
- **उच्च प्रारंभिक लागत:** मॉड्यूल की कीमतें कम होने के बावजूद प्रोजेक्ट लगाने की शुरुआती लागत अधिक।
- **अन्य:** विद्युत वितरण कंपनियों (डिस्कॉम/ DISCOMs) पर वित्तीय दबाव, सोलर मॉड्यूल के लिए आयात पर निर्भरता (लगभग 80% चीन से आयातित), नीतिगत और विनियामकीय अनिश्चितता, कुशल कार्यबल की कमी आदि।



आनंदकुमार वेलकुमार : स्पीड स्केटिंग



मुख्य बिन्दु:

- **प्रतियोगिता** : विश्व स्पीड स्केटिंग चैंपियनशिप, 2025
- **आयोजन** : चीन
- **आनंदकुमार वेलकुमार** : भारत के आनंदकुमार वेलकुमार ने पुरुषों की 42 किलोमीटर मैराथन में स्वर्ण पदक जीता। उन्होंने दो स्वर्ण और एक कांस्य पदक जीता।
- यह इस प्रतियोगिता में उनका तीसरा पदक है।
- 22 वर्षीय आनंदकुमार 1000 मीटर में 1:24.92 के रिकॉर्ड समय के साथ



स्वर्ण और 500 मीटर स्प्रिंट में कांस्य पदक जीतने के कुछ ही दिन बाद भारत के पहले स्पीड स्केटिंग विश्व चैंपियन बने।

- वर्ष 2021 में आनंदकुमार ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर जूनियर विश्व चैंपियनशिप में रजत पदक जीता था, जो भारत के लिए पहला पदक था।
- वर्ष 2025 की शुरुआत में विश्व खेलों में कांस्य पदक भी हासिल किया था।

विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप, 2025



मुख्य बिन्दु:

- मेज़बानी देश : भारत (पहली बार)।
- आधिकारिक लोगो और शुभंकर : "विराज"।




"विराज" :

- रूप : ब्लेड प्रोस्थेसिस से सुसज्जित एक युवा हाथी के रूप में।
- लोगो का अनावरण : 20 जून, 2025 को नई दिल्ली में भारतीय पैरालंपिक समिति (PCI) द्वारा।
- प्रतीकात्मकता :
 - शक्ति और साहस का प्रतीक।
 - लचीलापन और समावेशिता का संदेश।
 - पैरा-एथलीट्स की भावना।



- आयोजन : 27 सितंबर से 5 अक्टूबर, 2025 तक।
- संस्करण : 12वाँ।
- स्थान : जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, नई दिल्ली।
- पदक स्पर्धाएँ : 186
- भागीदार देश : 100+ देशों की भागीदारी संभावित।

✂ न्यूज़ इन शॉर्ट्स ⚡

क्र. सं.	न्यूज़
1.	<p>"देसी भोजन मायने रखता है" पहल</p>  <ul style="list-style-type: none">■ शुभारंभ : 23 सितम्बर, 2025 को महाराष्ट्र के पालघर जिले के वाडा में गोवर्धन इको विलेज में शुभारंभ किया गया।
2.	<p>द्रव्य (DRAVYA) पोर्टल</p> <ul style="list-style-type: none">■ राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर द्रव्य (DRAVYA) पोर्टल का शुभारंभ किया गया।■ DRAVYA: डिजिटाइज्ड रिट्रीवल एप्लीकेशन फॉर वर्सेटाइल यार्डस्टिक ऑफ आयुष सब्सटेंसेस।■ मंत्रालय: यह केंद्रीय आयुष मंत्रालय की पहल।■ यह आयुर्वेदिक सामग्रियों और उत्पादों का सबसे बड़ा डेटा संग्रह है, जो सभी के लिए उपलब्ध है।

3.

नाइटमेयर बैक्टीरिया

- संयुक्त राज्य अमेरिका में 'नाइटमेयर बैक्टीरिया' के संक्रमण के मामलों में वृद्धि दर्ज की गई है।

नाइटमेयर बैक्टीरिया:

- 'नाइटमेयर बैक्टीरिया' ने सभी प्रकार के एंटीबायोटिक उपचारों के खिलाफ प्रतिरोधकता विकसित कर ली है।
- ये अपने प्रतिरोधक जीन को अन्य रोगाणुओं के साथ साझा कर सकते हैं।
- जब बैक्टीरिया पर एंटीबायोटिक्स दवाइयाँ असर नहीं करती, तो उस संक्रमण का इलाज करना बेहद कठिन हो जाता है।

4.

इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट

- OECD ने वर्ष 2025 के लिए भारत की GDP के पूर्वानुमान को बढ़ाकर 6.7% कर दिया है, जबकि मुद्रास्फीति के अनुमान को घटाकर 2.9% कर दिया है।

इकोनॉमिक आउटलुक रिपोर्ट:

- **जारीकर्ता:** आर्थिक सहयोग और विकास संगठन (OECD)। यह रिपोर्ट साल में दो बार प्रकाशित होती है।
- इसमें GDP, मुद्रास्फीति, रोजगार, व्यापार और निवेश का विश्लेषण शामिल हैं। रिपोर्ट में मुद्रास्फीति का दबाव, वित्तीय अस्थिरता और भू-राजनीतिक तनाव से जुड़े जोखिमों को रेखांकित किया जाता है।

5.

सुपर टाइफून रागासा

- सुपर टाइफून रागासा हाल ही में चर्चा में रहा, एक शक्तिशाली उष्णकटिबंधीय चक्रवात है, जिसने सितंबर 2025 में फिलीपींस, ताइवान, हांगकांग और चीन जैसे देशों में भारी तबाही मचाई है।
- **अवस्थिति:** यह मुख्य रूप से पश्चिमी प्रशांत महासागर में उत्पन्न हुआ।
- **तीव्रता:** इसे इस क्षेत्र के सबसे शक्तिशाली तूफानों में से एक माना गया, जिसकी हवाओं की गति 200 किमी/घंटा से भी अधिक थी। सैफिर-सिम्पसन स्केल पर इसे श्रेणी 5 के तूफान के रूप में वर्गीकृत किया जा सकता है, जिसमें हवा की गति 252 किमी/घंटा या उससे अधिक होती है।